

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी एवं पदेन गू-अगिलेख अधिकारी बालोतरा
पीठारिीन अधिकारी:- अशोक कुमार, आर.ए.एस.
राजस्व आवेदन संख्या :- 37/2026
जी.सी.एम.एस. नम्बर :- 2026/86
प्रार्थी बनाग विप्रार्थी

नगर विकास न्यास बालोतरा जरिए राजस्थान सरकार जरिए तहसीलदार
तहसीलदार नगर विकास न्यास पचपदरा

राजस्व आवेदन अन्तर्गत धारा 136 राजस्थान गू राजस्व अधिनियम 1956

उपस्थिति:-

1. प्रार्थी की ओर से तहसीलदार नगर विकास न्यास बालोतरा
2. विप्रार्थी की ओर से राज.पैरोकार

:-आदेश:-


दिनांक 10.2.2026

1. संक्षिप्त में आवेदन-पत्र के सुसंगत तथ्य इस प्रकार हैं कि ग्राम मंडापुरा तहसील पचपदरा की खसरा संख्या 207/983 रकबा 26 बीघा किस्म बा.दोयम भूमि वक्त सेटलमेंट सिवाय चक दर्ज दर्ज थी। तत्पश्चात उक्त भूमि में से पचपदरा-वाड़मेर सड़क(वर्तमान राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 25) निकलने के कारण तीन भागों में विभक्त हुए। तत्पश्चात उक्त भूमि में से 1 बीघा भूमि नियमन, 1 हैक्टर भूमि मैसर्स हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड व शेष सम्पूर्ण भूमि नगर विकास न्यास बालोतरा को आवंटन हुए। जिसमें खसरा संख्या 1125/207 व 4360/1123 का मौका स्थिति के अनुरूप रिकॉर्ड में रकबा दर्ज नहीं होने के कारण प्रार्थी को विकास कार्य करवाने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। अतः प्रार्थी का आवेदन स्वीकार किया जाकर ग्राम मंडापुरा तहसील पचपदरा की खसरा संख्या 1125/207 क्षेत्रफल 1.4670 हैक्टर के स्थान पर 0.8538 हैक्टर व खसरा संख्या 4360/1123 क्षेत्रफल 2.7939 हैक्टर के स्थान पर 3.4071 हैक्टर दुरुस्ती करवाने हेतु आवेदन पत्र पेश किया गया है।
2. प्रार्थीगण का आवेदन दर्ज रजिस्टर किया गया। विप्रार्थी को जरिए नोटिस तलब किया गया। विप्रार्थी की ओर से जवाब पेश किया गया, जो शामिल पत्रावली है।
3. उभयपक्ष की बहस सुनी गई। प्रार्थी ने आवेदन पत्र के तथ्यों को दोहराते हुए बहस में निवेदन किया कि ग्राम मंडापुरा तहसील पचपदरा की खसरा संख्या 207/983

उपखण्ड अधिकारी
(S.D.O.) बालोतरा

रकबा 26 बीघा किरम बा.दोयम भूमि वक्त सैटलमेंट सिवाय चक दर्ज दर्ज थी। तत्पश्चात उक्त भूमि में से पचपदरा-बाड़मेर सड़क(वर्तमान राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 25) निकलने के कारण तीन भागों में विभक्त हुए। तत्पश्चात उक्त भूमि में से 1 बीघा भूमि नियमन, 1 हैक्टर भूमि मैसर्स हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड व शेष सम्पूर्ण भूमि नगर विकास न्यास बालोतरा को आवंटन हुए। खसरा संख्या 1125/207 व 4360/1123 प्रार्थी के खाते में दर्ज है। खसरा संख्या 4360/1123 भूमि को विकसित करने के उद्देश्य से मौके का सर्वे करवाए पर पाया कि उक्त भूमि में खसरा संख्या 1124/207 सड़क की तरमीम वर्तमान मौके से भिन्न होने के कारण सड़क के दोनों ओर खसरा संख्या 207/983 के अवशेष रकबा में अंतर है, मौका अनुसार खसरा संख्या 1125/207 का क्षेत्रफल 0.8538 हैक्टर व खसरा संख्या 4360/1123 का क्षेत्रफल 3.4071 हैक्टर है, जबकि रिकॉर्ड में खसरा संख्या 1125/207 का क्षेत्रफल 1.4670 हैक्टर व खसरा संख्या 4360/1123 का क्षेत्रफल 2.7939 है। इस कारण मौके व रिकॉर्ड में भिन्नता के कारण नगर विकास न्यास को विकास कार्य करवाने में समस्या का सामना करना पड़ रहा है। जबकि विप्रार्थी ने भी अपने जवाब में स्वीकार किया है कि विवादित भूमि की मौका स्थिति अनुरूप रकबा दुरुस्ती किए जाने पर एकरूपता आ जाएगी। अतः प्रार्थी का आवेदन माफिक अनुतोष स्वीकार किया जावे।

4. विप्रार्थी की ओर से बहस में निवेदन किया कि जवाब के अनुरूप प्रार्थी का आवेदन स्वीकार किए जाने पर आपत्ति नहीं है।
5. हमने उभयपक्ष की बहस सुनी गई। बहस पर मनन किया तथा पत्रावली का गम्भीरतापूर्वक अवलोकन किया। जिसमें पाया कि विवादित भूमि ग्राम मंडापुरा तहसील पचपदरा की खसरा संख्या 1125/207 क्षेत्रफल 1.4670 हैक्टर व खसरा संख्या 4360/1123 क्षेत्रफल 2.7939 हैक्टर भूमि नगर विकास न्यास बालोतरा हिस्सा-पूर्ण आरक्षित भूमि के खाते में दर्ज है, जो कि पत्रावली के संलग्न जमाबंदी अवलोकन से स्पष्ट है। प्रार्थी का मुख्य उजर है कि विवादित भूमि खसरा संख्या 1125/207 व 4360/1123 का मौका स्थिति के अनुरूप जमाबंदी में रकबा अंकन नहीं है, जो मौका स्थिति के अनुसार रेकॉर्ड दुरुस्त किया जावे। जिसकी ताईद विप्रार्थी तहसीलदार पचपदरा ने अपने जवाब में स्वीकार किया है कि विवादित भूमि का मौका स्थिति के अनुरूप रिकॉर्ड में रकबा अंकन नहीं है। दोनों खसरान के रकबा कमी/वृद्धि किए जाने पर किसी पक्षकार का कोई हित प्रभावित नहीं होता है तथा न ही कुल क्षेत्रफल में किसी प्रकार का परिवर्तन होता है तथा दोनों ही खसरान नगर विकास न्यास बालोतरा के खाते में दर्ज है। न्यायालय हाजि का भी अभिमत है कि


उपखण्ड अधिकारी
(S.D.O.) बालोतरा

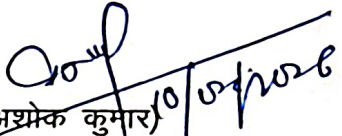
राजस्व आवेदन संख्या 37/2026
नगर विकास न्यास बालोतरा जरिए तहसीलदार
बनाम सरकार

विवादित खसरान की रकबा दुरुस्ती किए जाने से मौका एवं रिकॉर्ड स्थिति में एकरूपता आएगी तथा विवाद का भी निस्तारण हो जावेगा। ऐसी सूरत में प्रार्थी का आवेदन स्वीकार योग्य है।

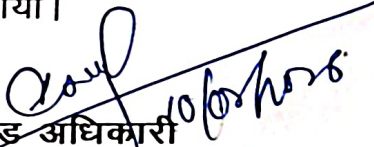
—:आदेश:—

अतः उपर्युक्त विवेचन के आलोक में प्रार्थी का आवेदन-पत्र अन्तर्गत धारा 136 राजस्थान भू राजस्व अधिनियम 1956 भली भांति साबित होने एवं सारवान होने के कारण स्वीकार किया जाता है तथा ग्राम-मंडापुरा तहसील पचपदरा की खसरा संख्या 1125/207 क्षेत्रफल 1.4670 हैक्टर के स्थान पर 0.8538 हैक्टर व खसरा संख्या 4360/1123 क्षेत्रफल 2.7939 हैक्टर के स्थान पर 3.4071 हैक्टर दुरुस्त किए जाने के आदेश दिए जाते हैं। तहसीलदार पचपदरा को आदेशित किया जाता है कि तदनुसार रेकर्ड में अमल दरामद किया जाना सुनिश्चित करावे।




(अशोक कुमार)
उपखण्ड अधिकारी
(एस.डी.ओ.) बालोतरा

आदेश आज दिनांक 10.02.2026 को सर-ए-इजलास सुनाया गया।


उपखण्ड अधिकारी
(एस.डी.ओ.) बालोतरा